IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, November 2025
Impact Factor: 7.67

बदलते भारत में महिलाओं की प्रस्थिति एक अध्ययन

ऋचा व्यास

शोधार्थी, समाजशास्त्र, विभाग, सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

डॉ. महेश कुमार प्राध्यापक

शोध मार्गदर्शक, समाजशास्त्र, विभाग, सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

शोध सार–

महिलाओं तथा बालिकाओं के प्रति हमारे रुख में बदलाव की ज़रूरत है, पिछले दो दशकों के दौरान महिलाओं को अधिकार सपन्न बनाने के लिये महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं, फिर भी और अधिक उपायों की ज़रूरत है। महिला अधिकारिता के स्तभों में साक्षरता, शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधां तथा मां और बच्चों के लिये पौष्टिकता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा स्वरोजगार के सुअवसर सहित वित्तीय सुरक्षा शामिल हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। ये सारे प्रयास महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जीने का सुअवसर प्रदान करने पर ही पूरे हो सकेगें। अक्सर यह देखा जाता है कि महिलाओं को कम मज़दूरी वाले काम दिए जाते हैं और विकास के जैसे अवसर पुरूषों को मिलते हैं उन्हें नहीं मिल पाते। जब कभी भारतीय महिलाओं को अनुकूल माहौल और सही सुविधाएं मिली हैं, वे सफल हुई हैं और इंजीनियर, डॉक्टर, प्रशासक, उद्योगपति, पुलिस बल तथा सशस्त्र बल के सदस्य, यहां तक कि आतंरिक्ष यात्री बन गई हैं।

कुंजी शब्द – परिवेश, दशा, दिशा, घरेलू हिंसा आर्थिक विकास –